

Exam. Code : 103205

Subject Code : 1215

B.A./B.Sc. Semester—V

MUSIC (Vocal)

Time Allowed—3 Hours]

[Maximum Marks—50

Note :— Students will have to attempt any **FIVE** questions in all. Each question carries equal marks. Q. No. 1 is compulsory.

1. Answer the following questions in a very brief manner :
 - (i) Names of any two Thumri singers.
 - (ii) Jati of Raag Kedar.
 - (iii) Date of birth and birth place of folk singer Surinder Kaur.
 - (iv) Name three Classical Gayan shailies used in Gurmat Sangeet.
 - (v) Vaadi Samvadi swaras of Raga Adana.
 - (vi) Thaata of Raga Kamod.
 - (vii) Gharana style of Shri Dalip Chander Bedi.
 - (viii) Gayan Samay of Raga Shudh Kalyaan.
 - (ix) Aaroh, Avroh and Pakad of Raga Darbaari.
 - (x) Which Tala is best suited for Thumari Gayan ?
2. Describe the development of Indian Notation System, merits and demerits in preserving traditional compositions of Indian Classical Music.

3. Explain the importance of Globalization in Indian Music in Modern context.
4. Write short notes on the following :—
 - (1) Tappa
 - (2) Thumri
5. Describe the inter-relation between Music and Yoga.
6. Explain the different classical Gayan Shailies used in Gurmat Sangeet.
7. Write down the full Description of Raag Shudh Kalyaan and Kedar.
8. Write down the Life sketch and contribution of Shri Dalip Chander Bedi in the promotion of Hindustani Music.

(Punjabi Version)

ਨੋਟ : ਪ੍ਰੀਖਿਆਰਥੀ ਸਾਰਿਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕੋਈ ਪੰਜ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਕਰਨ। ਸਾਰੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਅੰਕ ਬਰਾਬਰ ਹਨ। ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨੰਬਰ 1 ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ।

1. ਨਿਮਨਲਿਖਿਤ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਅਤਿ ਸੰਖਿਪਤ ਉੱਤਰ ਦਿਉ :
 - (i) ਕਿਸੇ ਦੋ ਠੁਮਰੀ ਗਾਇਕਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਲਿਖੋ।
 - (ii) ਰਾਗ ਦੇਦਾਰ ਦੀ ਜਾਤੀ।
 - (iii) ਲੋਕ ਗਾਇਕ ਸੁਰਿੰਦਰ ਕੌਰ ਦਾ ਜਨਮ ਦਿਨ ਅਤੇ ਜਨਮ ਸਥਾਨ ਲਿਖੋ।
 - (iv) ਗੁਰਮਤਿ ਸੰਗੀਤ ਵਿੱਚ ਉਪਯੋਗ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਤਿੰਨ ਗਾਇਨ ਸ਼ੈਲੀਆਂ ਦੇ ਨਾਮ ਲਿਖੋ।
 - (v) ਰਾਗ ਅਦਾਨਾ ਦੇ ਵਾਦੀ ਸੰਵਾਦੀ ਸਵਰ।
 - (vi) ਰਾਗ ਕਮੋਦ ਦੇ ਥਾਟ।
 - (vii) ਸ੍ਰੀ ਦਲੀਪ ਚੰਦਰ ਬੇਦੀ ਦੀ ਘਰਾਨਾ ਸ਼ੈਲੀ।

- (viii) राग स्रुप कलियाण दल गललन सडल।
- (ix) रलग दरडरलरी दल आरुुह, अवरुुह अतु डकड।
- (x) ठुडरुी गललन ललुी कलरडल रलग सड तुं अनुकुल हल ?
2. डरडतल नुुतुसुन डुललल दल वलकलस, डरडतल सुलसतरुी सुरुीत दल डरुडरलरलत सुरुडनल दल सुरुडण वलड गुरुलं अतु अवरुुलं दल वरुणन करुु।
 3. आडुनलक सुरुडरड वलड डरडतल सुरुीत वलड वलसुवुीकरन दल डरुडतव दल वलआडलआ करुु।
 4. नलडनलललडलत उडर सुरुडडत नुुत ललडुु :
 - (1) टुडल
 - (2) ठुडरुी।
 5. सुरुीत अतु डुुग दल वलडकलर अंतुर-सुरुडुड दल वरुणन करुु।
 6. गुरुडतलत सुरुीत वलड डुुडुुग कलतललं नलण वललललं वडुड-वडुड सुलसतरुी गललन सुललललं दल वलआडलआ करुु।
 7. रलग स्रुप कललललल अतु कुुदलर दल डुरुण डरलरुुु ललडुु।
 8. सुी दललड डुुदर डुुदल दल नलवण डरलरुुु अतु हरुुदुसतलनल सुरुीत दल डुुडसलरुन वलड उरुनलं दल डुुगदलन ललडुु।

(Hindi Version)

नुुत :— डरलकुलरुुी सडुी डुुं सुु कुुुी डलंड डुरुण करुुं। सडुी डुरुणनुुं कुु अंक सडलन हल। डुरुणन संखुल 1 अनलवलरुु हल।

1. नलडनलललडलत डुरुणनुुं कुु अतल संकुडडत उतुतर दलऑल :
 - (i) कलनुुहलं दुु ठुडरुी गलडकुुं कुु नलड ललकललल।
 - (ii) रलग कुुदलर कल ऑलतल।
 - (iii) लुक गलडक सुरुलंदर कुुलर कल ऑनड दलन तथल ऑनड सुथलन ललकललल।

- (iv) गुरमत संगीत में प्रयोग की गई तीन गायन शैलियों के नाम लिखो।
- (v) राग अदाना के वादी सम्वादी स्वर।
- (vi) राग कमोद के धाट
- (vii) श्री दलीप चंदर बेदी की घराना शैली।
- (viii) राग शुद्ध कल्याण का गायन समय।
- (ix) राग दरबारी की आरोह, अवरोह तथा पकड़।
- (x) ठुमरी गायन के लिए कौन-सा राग सबसे अनुकूल है ?
2. भारतीय नोटेशन प्रणाली के विकास, भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरागत संरचना के संरक्षण में गुणों तथा अवगुणों का वर्णन करो।
3. आधुनिक संदर्भ में भारतीय संगीत में वैश्वीकरण के महत्व की व्याख्या कीजिए।
4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखो :
- (1) टप्पा
- (2) ठुमरी।
5. संगीत तथा योग के मध्य अंतर-संबंध का वर्णन करो।
6. गुरमत संगीत में प्रयोग की जाने वाली विभिन्न शास्त्रीय गायन शैलियों की व्याख्या करो।
7. राग शुद्ध कल्याण तथा केदार का पूर्ण परिचय लिखिए।
8. श्री दलीप चंदर बेदी का जीवन परिचय तथा हिन्दुस्तानी संगीत के प्रोत्साहन में उनका योगदान लिखिए।